No. of Printed Pages : 2 Roll No. .....

AA–1018

B.A. (Part-I) (Regular)
Term End Examination, 2021-22
Group B
(Paper-I)
Hindi Literature
(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time : 3 hrs.] **[Maximum Marks : 75**

नोट – *दोनों खण्डों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं ।*

[खण्ड- अ]

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **10×3=30**

(क) भगति भजन हरि नांव है, दूजा दुक्ख अपार ।
मनसा वाचा कर्मनां, कबीर सुमिरोण सार ।। 1।।
हेरत हेरत हे सखी, रह्या कबीर हिराइ।
बूंद समाणी समन्द मैं, सौ कत हेरी जाई ।। 2।।
कबीर रेख स्यंदूर की, काजल दिया न जाई।
नैन रमइया रमि रह्या, दुजा कहाँ समाइ।। 3 ।।

अथवा

रोई गँवाए बारहमासा। सहस सहस दुख एक-एक साँसा।
तिल तिल बरख परि जाई । पहर पहर जुग जुग न सेराई।।
सी नहिं आवै रूप मुरारी-जासौं पाव सोहाग सुनारी।।
साँझ भए झुरि झुरी पथ हेरा। कौनि सोधरी करै पिउ फेरा।।
दहि कोइला भई संत सनेहा । तोला मांसु रही नहि देहा।।
रकत न रहा विरहतन जरा। रती रती दोई नन्ह ढरा।।
पायँ लागि जौरे धनि हाथा। जारा नेह जुड़ावहु नाथा।।

(ख) आये जोग सिखावन पांड़े ।
परमारथी पुराननि लादि ज्यौं बनजारे टाढ़ै।।
हमरी गति पति कमलनयन को जोग सिखैते रांड़े ।
कहौ, मदुप, कैसे समायेंगे एक म्यान दो खांड़े ।
कहु षटपद, कैसे खैयतु है हाथिन के संग गाड़े।
काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत भांड़े।
काहे का झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम डांड़े ।
सूरदास तीनों नहिं उपजत धनिया धान कुम्हांड़े।।

अथवा

श्रीगुरु चरण सरोज रज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनंऊ रघुवर विमल जसु जो दायकु फलचारि।।
जब ते रामु ब्याहि घर आए। तिन नव मंगल मोद बधाए।।
भुवन चारिदास भूधरभारी। सुकृत मेघ बरषहिं सुख बारी।।

रिधि सिधि सम्पति नहीं सुहाई। उमगि अवध अंबुधि कहे आई।।
मनिगन पुर नर नारी सुजाती। सुचि अमोल सुन्दर सब भांती।।
कहि न जाइ कछु नगर विभुती। जनु एतनिअ विरंचि करतूती।।
सब विधि सब पुर लोग सुखारी। रामचन्द्र मुख चंदु निहारी।।
मुदित मातु सब सखी सहेली। फलित विलोकि मनोरथ बेली।।
राम गुन सीलु सुभाऊ। प्रमुदित होई देखि सुनि राऊ।।

(ग) भोर तें साँझ लौं कानन-ओर निहारति बावरी नेकु न हारति।
साँझ ते भोर लौं तारनि ताकि बो तारनि सों इकतार न टारति।
जौ कहूँ भावतो डीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारयति।
मोहन-सोहन जोहन की लागियै रहे आँखिन के उर आरति।। 1।।

2. "कबीर मूलतः भक्त थे, बाद में कवि व समाज सुधारक।" इस कथन की व्याख्या कीजिए। **10**

अथवा

जायसी के रहस्यवाद की विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

3. सूर के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

"तुसली का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"घनानन्द" प्रेम की पीर के कवि हैं। कथन की विवेचना कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **5×3=15**

(क) भक्ति कालीन काव्य की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ख) विद्यापति का काव्य सौंदर्य वर्णन कीजिए।
(ग) रहीम के कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।
(घ) रस खान की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए ।
(ङ) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ बताइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **1×10=10**

(1) वात्सल्य रस का सम्राट किसे कहते हैं ?
(2) विनय पत्रिका का वर्ण्य विषय क्या है ?
(3) "भ्रमरगीत" नाम क्यों पड़ा ?
(4) रीतिकाल को कितने भागों में बाँटा गया है ?
(5) कबीर के गुरु कौन थे ?
(6) घनानन्द किस मुगल बादशाह के मुंशी थे ?
(7) रहीम का पूरा नाम क्या है ?
(8) आखरी कलाम किसकी रचना है ?
(9) सगुण का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
(10) रसखान के गुरु का नाम लिखिए।
(11) अष्टछाप क्या है ?
(12) गोरा बादल किस महाकाव्य के पात्र हैं ?
(13) दान लीला किस मध्यकालीन कवि की रचना है ?
(14) पुष्टि मार्ग का सम्बंध किससे है ?
(15) उत्तर मध्यकाल को किस काल के नाम से जाना जाता है ?